उ0 म0 वि0 लगुनियाँ सूर्यकंठ, समस्तीपुर, बिहार

बिहार राज्य के समस्तीपुर जिले के नगर निगम क्षेत्र में अवस्थित उ0 म0 वि0 लगुनियाँ सूर्यकंठ विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों, नवाचारों, सामुदायिक सहभागिता, छात्र नेतृत्व एवं शिक्षा में तकनीक के उपयोग की दृष्टि से नित्य नये आयाम गढ़ रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकों, बाल संसद एवं मीना मंच के बच्चों तथा समुदाय ने यह साबित कर दिखाया है कि कुशल नेतृत्व के बल पर किस प्रकार एक विद्यालय अपनी पहचान कायम कर सकता है।

विद्यालय द्वारा किए जा रहे कुछ महत्वपूर्ण प्रयास निम्नवत् हैं –

1.चहक कार्यक्रम एवं चहक गतिविधियों का बेहतर क्रियान्वयन विद्यालय प्रधान एवं वर्ग शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से विद्यालय चहक कार्यक्रम की गतिविधियों के बेहतर क्रियान्वयन में सफल रहा है। बालक–बालिकाओं के ठहराव, विद्यालय के प्रति उनमें आकर्षण पैदा करने तथा सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को आनंददायी बनाने की दृष्टि से विद्यालय की प्रारंभिक कक्षा के वर्गों को काफी आकर्षक तरीके से तैयार किया गया है। इस प्रयास का प्रतिफल यह है कि विद्यालय के वर्ग I एवं II में षत प्रतिशत उपस्थिति रहती है। बच्चे न केवल सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में आनंदपूर्वक भाग ले रहे हैं, बल्कि उनकी अधिगम क्षमता भी विकसित हो रही है।

विभिन्न गतिविधियों से पहली कक्षा के बच्चों ने मोहा मन

नवनामंकित बच्चों के साथ शिक्षक.

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

वर्ग एक के नवनामंकित बच्चों के लिए तीन माह के चहक कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियां सुर्यकंत में की गयी. इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सौरभ कुमार, चहक कार्यक्रम के मेंटर हरिमोहन चौधरी एवं विनोद कुमार विमल एवं वर्ग एक की पूर्णकालिक शिक्षिका संगीता कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. मेंटर हरिमोहन चौधरी एवं विनोद विमल ने चहक कार्यक्रम की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला. वर्ग शिक्षिका संगीता कुमारी के नेतृत्व में प्रथम वर्ग के बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों से सबका मन मोह लिया. सभा को संबोधित करते हुए एचएम सौरभ कुमार ने कहा कि तय समय सीमा के अंदर विद्यालय बच्चों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रदान करने के अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेगा.

कार्यक्रम का संचालन बाल संसद की अंकिता एवं जिज्ञासा ने, जबकि अतिथियों का स्वागत मीना मंत्री प्रतिभा गुप्ता ने किया. इस मौके पर शिक्षक जय प्रकाश पाल, सत्येंद्र प्रसाद, टीएस पांडेय, अजय गुप्ता, रश्मि रानी, पूनम सिन्हा, नीतू राय, रेखा कुमारी एवं पूनम कुमारी सहित वर्ग एक के छात्र–छात्राओं के दर्जन भर अभिभावक मौजूद थे.

Tue, 30 August 2022

2. अभिभावक –शिक्षक संगोष्ठी

आमतौर पर विद्यालय में आयोजित होने वाली अभिभावक – शिक्षक संगोष्ठी में अभिभावकों द्वारा अपेक्षित रूचि नहीं दिखायी जाती थी। विद्यालय में हुए आमूल –चूल परिवर्तन एवं बच्चों में हुए बदलावों के फलस्वरूप अभिभावकों की रूचि विद्यालय के प्रति काफी बढ़ी है। इसका असर संगोष्ठी पर भी पड़ा है। अब अभिभावक– शिक्षक संगोष्ठियों में काफी अच्छी उपस्थिति रहती है।

दैनिक भास्कर

समस्तीपुर भास्कर 23-12-2022

कार्यक्रम • उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियां सूर्यकण्ठ में शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

शिक्षक व अभिभावक के बीच का संवाद बच्चों को और अधिक बेहतर बनाता है

सिटी रिपोर्टर|समस्तीपुर

शहर के उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियां सूर्यकण्ठ में गुरुवार को वर्ग तीसरी से पांचवी तक के छात्र-छात्राओं के माता-पिता के साथ शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर यह आयोजन राज्य के सभी प्रारंभिक विद्यालयों में आयोजित करने का निर्देश शिक्षा विभाग ने दिया था। कार्यक्रम की शुरुआत में चेतना सत्र के दौरान बच्चों ने रामानुजन संख्या 1729 के प्रतिरूप में सजकर महान गणितज्ञ को याद किया। वहीं चेतना सत्र के उपरांत विद्यालय की कक्षा पांच के वर्ग शिक्षक अजय कुमार, कक्षा चार की वर्ग शिक्षिका नीतू राय व कक्षा तीन की वर्ग शिक्षिका कुमारी पूनम सिन्हा के नेतृत्व में बच्चों के अभिभावकों के साथ बातचीत व विमर्श सत्र का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए एचएम सौरभ कुमार ने कहा कि शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण आयोजन है। शिक्षक व अभिभावक के बीच का संवाद बच्चों के सीखने को और अधिक बेहतर बनाता है। इस अवसर पर अभिभावकों को विद्यालय का भ्रमण भी कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यालय के चहक कार्यक्रम के लिए विशेष तौर पर तैयार आनंददायी वर्ग कक्ष आकर्षण का केंद्र रहा। एक ओर जहां विद्यालय के शिक्षक कुमारी प्रतिभा, रेखा कुमारी, सत्येंद्र प्रसाद ने टीएलएम का प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर शिक्षक त्रिपुरारी शरण पांडेय व शिक्षिका रश्मि रानी ने विभिन्न गणितीय आकृतियों से वर्ग कक्ष को सुसज्जित किया। कार्यक्रम का संचालन बाल संसद के बच्चों ने किया। मीना मंच की बच्चियों ने भी आकर्षक रंगोली बनाकर आगत अतिथियों का स्वागत किया।

शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण

उमवि लगुनियां सूर्यकंठ में शिक्षक संगोष्ठी के दौरान अभिभावक, एचएम व बच्चे।

शिक्षक-अभिभावक की बैठक में समग्र शिक्षा पर दिया गया बल

मोहिउद्दीननगर|प्रखंड के, उत्क्रमित व मध्य विद्यालय में विकास, बच्चों के बौद्धिक क्षमता से जुड़ी टीएलएम प्रदर्शनी को लेकर शिक्षक अभिभावकों की बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। प्राथमिक विद्यालय महावीर स्थान चकला में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता वीएसएस अध्यक्ष आशा देवी ने की। संचालन एचएम मुकेश कुमार ने किया। बैठक में एमडीएम, समग्र शिक्षा व साफ सफाई को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। एमडीएम में खाना की व्यवस्था एवं साफ-सफाई से जुड़ी बिंदुओं पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। मौके पर त्रिलोकी सिंह, महेंद्र महतो, मंजू देवी, अनिता देवी, संजू देवी, सरिता देवी, भगवानी देवी, शोभा देवी आदि अभिभावक मौजूद थे।

मोहिउद्दीननगर में बैठक में शामिल छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावक।

बैठक में कई विषयों पर की गई विस्तृत चर्चा

भास्कर न्यूज| विभूतिपुर

प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चक फतेहगंज में वर्ग 3 से 5 तक बच्चों के अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच गुरुवार को एक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक अविनाश कुमार ने की। बैठक में शिक्षक एवं छात्रों की उपस्थिति, विद्यालय में मीनू के अनुसार संचालित हो रहे एमडीएम, चहक गतिविधि आधारित शिक्षण का प्रदर्शन, बुनियादी गणित विषय पर साक्षरता ज्ञान एवं टीएलएम, एफएलएन स्कूल किट पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। बैठक में विद्यालय के शिक्षक अफरोज आलम अंसारी, शिवनाथ ठाकुर, सुभाष कुमार, भुवनेश्वर पंडित, बसंती कुमारी एवं अभिभावकों में संजय मिश्र, राकेश कुमार ,अमरनाथ साह, चंदन कुमार, फूलो देवी, शोभा देवी, प्रियंका साहू ,संजीव मालाकार सहित पोषक क्षेत्र के कई अभिभावकों ने भाग लिया। प्रधानाध्यापक ने सभी आगंतुक अभिभावकों से विद्यालय की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए हर महीने में बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया। कोई भी समस्या होने पर खुलकर बात करने को कहा।

3. प्रभावशाली चेतना सत्र

विद्यालय का चेतना सत्र अत्यंत प्रभावशाली एवं आकर्षक तरीके से आयोजित किया जाता है। विद्यालय में स्काउट एवं गाइड की सुविधा न होने के बावजूद विद्यालय की अपनी बैंड टीम है जो न केवल बच्चों को बल्कि ग्रामीणों को भी अपनी ओर आकर्षित करती है। चेतना सत्र के दौरान बच्चों के जन्मदिन का आयोजन आकर्षण का विशेष केन्द्र होता है। आसपास के न केवल सरकारी विद्यालय बल्कि निजी विद्यालयों की टीम भी विद्यालय के चेतना सत्र को देखने के लिए आती रहती है।

4.सप्ताह में दो दिन बच्चों द्वारा अंग्रेजी में चेतना सत्र का आयोजन

विद्यालय के अंग्रेजी शिक्षक के सहयोग से विद्यालय में Laguniya Speaks नामक नवाचार चलाया जा रहा है, जिसमें बच्चे spoken English सीख रहे हैं। इस नवाचार का प्रतिफल यह है कि बच्चों द्वारा सप्ताह में दो दिन अंग्रेजी में चेतना सत्र (Morning Assembly) का आयोजन किया जा रहा है। धीरे–धीरे इस नवाचार से बच्चों का जुड़ाव बढ़ रहा है।

5. विगत चार वर्षों से Bagless Saturday : Joyful Saturday के नाम से बस्ताविहीन शनिवार कार्यक्रम का आयोजन

बिहार सरकार द्वारा हाल में प्रारंभ किया Bagless saturday कार्यक्रम इस विद्यालय में विगत चार वर्षों से संचालित है। विभिन्न समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर इस कार्यक्रम की खूब सराहना होती रही है।

6. विद्यालय में आयोजित दीप महोत्सव रहता है चर्चा का विषय, जुड़ता है पूरा समुदाय।

विद्यालय में समुदाय के जुड़ाव/लगाव को बढ़ाने की दृष्टि से प्रतिवर्ष दीपावली से पूर्व तीन दिवसीय दीप महोत्सव का आयोजन किया जाता है। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में बच्चों के बीच रंगोली, दीप सज्जा, घरौंदा निर्माण एवं मेंहदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में अभिभावक ही निर्णायकों की भूमिका में होते हैं। छात्राओं द्वारा माता अभिभावकों एवं पासआउट बच्चियों के हाथों पर मेंहँदी लगायी जाती है। दीपावली की संध्या पर पोषक क्षेत्र के सभी घरों से एक–एक दीप भेजा जाता है। बच्चे तथा शिक्षक इन दीपों से संपूर्ण विद्यालय परिसर को सजाते हैं।

7. स्मार्ट लगुनियाँ के नाम से विद्यालय द्वारा लर्निंग एप्प का संचालन

कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में भी विद्यालय परिवार ने बच्चों को सीखने–सिखाने की प्रक्रिया से जोड़े रखा। विगत 01 जून 2020 को विद्यालय द्वारा अपना लर्निंग एप्प smart laguniya प्रारंभ किया गया। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा बच्चों को इससे जोड़कर शिक्षण कार्य कोरोना काल में भी किया जाता रहा। लॉकडाउन अवधि के दौरान विद्यालय भले ही बन्द रहा परन्तु बच्चे सीखने–सिखाने की प्रक्रिया से निर्बाध जुड़े रहे। इस नवाचार के लिए ''शिक्षा में तकनीक के उपयोग'' श्रेणी में विद्यालय को क्वेस्ट एलायंस एवं बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा ''शिक्षारत्न'' पुरस्कार से पुरस्कृत भी किया जा चुका है।

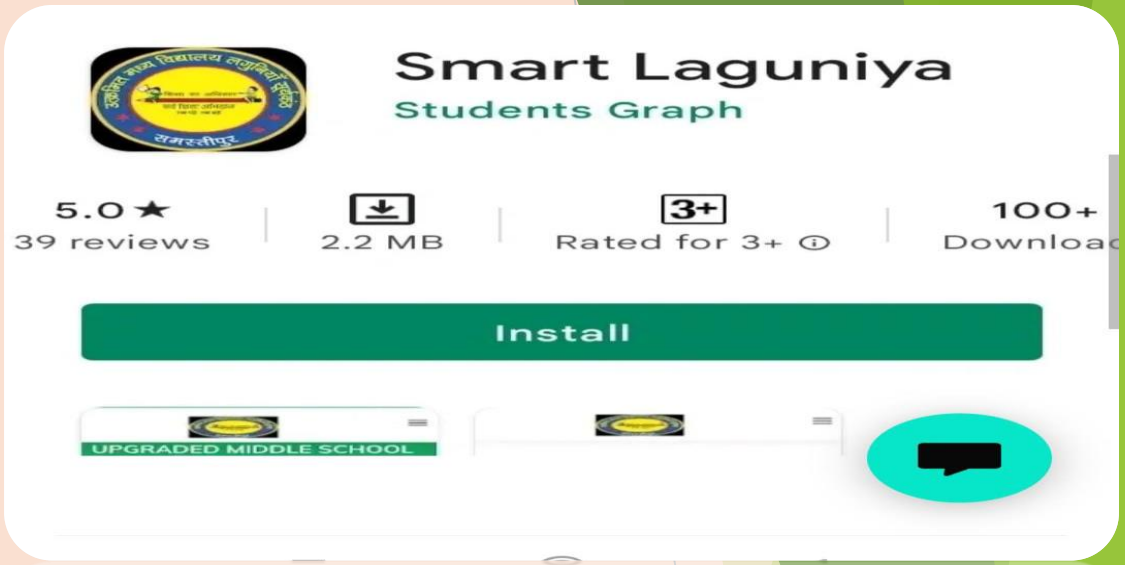

8. जिला स्थापना दिवस पर जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा विद्यालय प्रधान को प्रशस्ति पत्र

बेहतर विद्यालय प्रबंधन एवं नवाचारी प्रयासों के लिए विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री सौरभ कुमार को जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जा चुका है।

9. "पढ़ों लगुनियाँ : बढ़ो लगुनियाँ" नामक नवाचार का आयोजन

विभाग द्वारा चलाये गये माइक्रो इंप्रूवमेंट प्रोग्राम को विस्तार देते हुए विद्यालय द्वार 'पढ़ो लगुनियाँ : बढ़ो लगुनियाँ'' नामक कार्यक्रम चलाया गया। 15 अगस्त 2022 से 14 नवंबर 2022 (तीन महीने) तक चले इस कार्यक्रम के द्वारा बच्चों के लिखने एवं पढ़ने की क्षमताओं के विकास पर विशेष रूप से कार्य किया गया। कार्यक्रम के फलस्वरूप बच्चों के लिखने पढ़ने की क्षमता में अपेक्षित सुधार हुआ है।

10. स्मार्ट क्लासेज का संचालन

विद्यालय के बेहतर प्रबंधन एवं नवाचारी प्रयासों को देखते हुए प्रधानाध्यापक के अनुरोध पर Selco Foudation के सहयोग से विद्यालय में सोलर एनर्जी द्वारा संचालित स्मार्ट क्लास चलाया जा रहा है। इसके द्वारा बच्चे वर्ग कक्ष में पढ़ाये गये पाठों को आडियो विजुअल माध्यम से भी सीख पा रहे हैं।

11. स्मार्ट लगुनियाँ कम्प्यूटर क्लासेज की व्यवस्था

अपने पंचायत भ्रमण के दौरान महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक का आगमन उ0 म0 वि0 लगुनियाँ सूर्यकंठ पर हुआ। विद्यालय में संचालित अंग्रेजी एसेंबली एवं विभिन्न क्रियाकलापों से प्रभावित होकर महाप्रबंधक महोदय द्वारा उनके कोष से विद्यालय को दो कंप्यूटर उपलब्ध कराया गया। इन दो कंप्यूटर की मदद से विद्यालय के बच्चे अब कंप्यूटर भी सीख रहे हैं।

मुजफ्फरपुर,
15.07.2

उमवि लगुनियां सूर्यकंठ को एसबीआइ ने दिया कंप्यूटर

- बैंक की पहल से बच्चे तकनीकी शिक्षा की ओर अग्रसर हो सकेंगे : एचएम सौरभ कुमार

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

भरतीय स्टेट बैंक की ओर से शहर के उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियां सूर्यकंठ पर कंप्यूटर पहुंचते ही बच्चों की खुशी का ठिकाना न रहा. पिछले दिनों मेरा गांव मेरा बैंक कार्यक्रम के तहत एसबीआई पटना मंडल के महाप्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता का आगमन इस विद्यालय पर हुआ था. उस दौरान बैंक की सीएसआर योजना के तहत विद्यालय के लगभग 150 बच्चों को स्कूल बैग, लंच बॉक्स एवं वाटर बोतल प्रदान किया गया था. क्षेत्रीय प्रबंधक संजय कुमार सिंह ने बताया कि भ्रमण के दौरान इस विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, चेतना सत्र, बाल संसद एवं मीना मंच

कंप्यूटर सेट के साथ बच्चे व एसबीआई के अधिकारी.

के बच्चों की अद्भुत कार्यशैली आदि से प्रभावित होकर महाप्रबंधक ने बैंक की ओर से विद्यालय को दो कंप्यूटर प्रदान करने की घोषणा की थी.

इसी कड़ी में बैंक के पदाधिकारियों की एक टीम दो सेट कंप्यूटर के साथ विद्यालय पर पहुंची. एचएम सौरभ कुमार ने बताया कि बैंक की इस पहल से विद्यालय के बच्चे तकनीकी शिक्षा की ओर अग्रसर हो सकेंगे. उन्होंने इस सहयोग के लिए सभी ग्रामीणों तथा विद्यालय परिवार की ओर से महाप्रबंधक का आभार प्रकट किया. विद्यालय के शिक्षक अजय कुमार ने बताया कि बैंक के सहयोग विद्यालय के वर्ग 6 से 8 के बच्चे अब स्कूल बैग और पानी की बोतल के साथ विद्यालय आ रहे हैं. इस मौके पर मुख्य प्रबंधक केके ठाकुर, अरूंजय शर्मा, आरबीओ समस्तीपुर के मुख्य प्रबंधक ओमप्रकाश, प्रबंधक आकाश सहित विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका एवं छात्र-छात्रा उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Fri, 15 July 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/69192974

12. सशक्त बाल संसद एवं मीना मंच

विद्यालय में गठित बाल संसद एवं मीना मंच अत्यंत सशक्त एवं क्रियाशील है। विद्यालय संचालन की तमाम गतिविधियों के संचालन में इन बच्चों की सहभागिता होती है, जिससे बच्चों में नेतृत्व क्षमता का अद्भूत विकास हुआ है। अन्य कई विद्यालयों के बच्चें इस विद्यालय के बाल संसद एवं मीना मंच से प्रशिक्षित होने की दृष्टि से विद्यालय पर आते रहे हैं।

13. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं विद्यालय के बच्चे

प्रधानाध्यापक के कुशल नेतृत्व एवं शिक्षकों के सम्मिलित प्रयास से विद्यालय के बच्चे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। मेधा सह आय छात्रवृत्ति, सिमुलतला आवासीय विद्यालय, टैलेन्ट सर्च प्रतियोगिता, बिहार दिवस, बिहार मेधा उत्सव, तरंग प्रतियोगिता आदि में स्थान प्राप्त कर इस विद्यालय के बच्चे नित्य आगे बढ़ रहे हैं।

शहर के उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियां सूर्यकंठ में केक काटा

डीइओ ने शिक्षकों की हौसला अफजाई की

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियां सूर्यकंठ में डीइओ मदन राय अचानक पहुंचकर शिक्षकों एवं बच्चों को अचंभित कर दिया. विद्यालय पर पहुंचकर न केवल उन्होंने शिक्षकों की हौसला अफजाई की, बल्कि बच्चों के साथ केक काटकर शिक्षक दिवस समारोह का उद्घाटन भी किया.

उन्होंने कहा कि डॉ कृष्णन का व्यक्तित्व हमारे लिए सदा ही अनुकरणीय रहेगा. शिक्षक समाज के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जिन पर राष्ट्रनिर्माण की महती जिम्मेवारी होती है. जरूरी है कि शिक्षकत्व हर शिक्षक की अंतरात्मा में

डीइओ का स्वागत करती बाल संसद की छात्रा.

निवास करे. विद्यालय की ओर से डीइओ को पाग और चादर भेंट करते हुआ एचएम सौरभ कुमार ने कहा कि शिक्षक दिवस के दिन जिले के शिक्षा विभाग के सर्वोच्च पदाधिकारी का विद्यालय पर आगमन हम शिक्षकों के लिए बहुत बड़ा सम्मान है. सभा शिक्षक टीएस पाण्डेय एवं नीतू राय ने संबोधित किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन बाल संसद की अंकिता, जिज्ञासा एवं प्रतिभा गुप्ता ने किया. डीइओ ने कहा कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियां सूर्यकंठ एक उत्कृष्ट और अनुकरणीय विद्यालय है. ऐसे विद्यालय पर पहुंचकर शिक्षकों एवं बच्चों के बीच शिक्षक दिवस मनाने से उन्हें काफी सुखद अनुभूति हुई. इस दौरान विद्यालय के अभिलेखों एवं मध्याह्न भोजन योजना का अनुश्रवण करते हुए उन्होंने काफी संतोष व्यक्त किया. विद्यालय के बाल संसद की छात्रा अंकिता ने बताया कि निरीक्षण के दौरान विद्यालय प्रधान की कुर्सी पर बैठकर डीइओ ने अन्य पदाधिकारियों के लिए एक मिशाल पेश की.

14. स्वच्छता के क्षेत्र में भी तय किये नये आयाम

स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों की बदौलत विद्यालय को भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वच्छ विद्यालय पुस्कार श्रेणी में वर्ष 2019 में राज्यस्तरीय स्वच्छता पुरस्कार एवं बिहार स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021 में पाँच स्टार रेटिंग के साथ पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। स्वच्छता के क्षेत्र में विद्यालय द्वारा किए जा रहे कुछ विशेष कार्य हैं –

(i) MHM (माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन) हेतु नियामित तौर पर ''चुप्पी तोड़ों – खुलकर बोलो'' कार्यक्रम का आयोजन

(ii) नैपकीन बैंक एवं सेनेटरी नैपकीन इंसेनरेटर की व्यवस्था

(iii) साबुन बैंक का संचालन

(iv) सामुदायिक सहभागिता के साथ स्वच्छता कार्यों का संचालन

(v) सभी बच्चों का पोषाक में आना

(vi) पर्याप्त डस्टबीन एवं पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता

(vii) स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

(viii) इज्जतघर के नाम से षौचालय का नामकरण

बिहार स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार. शिक्षकों ने जतायी खुशी

लगुनियां सूर्यकंठ और नंदनी मवि पुरस्कार के लिए चयनित

उपलब्धि

शिक्षा मंत्री के हाथों कल पटना में होगा सम्मान

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

15. हाउस सिस्टम के माध्यम से बच्चों की उपस्थिति की ट्रैकिंग

विद्यालय के पोषक क्षेत्र के विभिन्न टोलों से आने वाले बच्चों का अलग–अलग जोड़ा बनाकर उन्हें जोड़े में आने के लिए प्रेरित किया जाता है, इससे बच्चों की उपस्थिति की ट्रैकिंग हो पाती है। साथ ही बच्चों की अनुपस्थिति के कारणों का भी पता लग पाता है। इस नवाचार से छात्रोपस्थिति में काफी वृद्धि हुई है। यह नवाचार विद्यालय में विगत छः वर्षों से संचालित है।

4 | दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 18 दिसंबर 2016

उपस्थिति बढ़ाने को नायाब तरीका

समस्तीपुर : समस्तीपुर प्रखंड के लगुनिया सूर्यकंठ उत्क्रमित मध्य विद्यालय में ...र के तहत छात्रों में उपस्थिति बढ़ाने में एक नायाब तरीका अपनाया गया है। एक ओर जहां सरकारी स्कूलों में बच्चों का छीजन रोकने, बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए हाय-तौबा बनी है। ...न पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे है। कई ...न को इसमें लगाया गया है। वहीं इस स्कूल ...ई तरकीब ने एक माह में छात्रों की उपस्थिति 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 73 प्रतिशत पर पहुंचा ...है। विद्यालय के प्रधान सौरभ चौधरी ने कहा कि उनके विद्यालय के पोषक क्षेत्र में दस ...है। सभी दसों टोले के बच्चों को अलग-अलग हाउस में बांटा गया है। इनके हाउस का ...गांधी हाउस, नेहरू हाउस, टैगोर हाउस, ...बाई हाउस, कल्पना चावला हाउस, इंदिरा हाउस, नजरुल हाउस रखा गया है। दसों हाउस के ...इसी टोले के वर्ग 1 से 8 तक के बच्चों ...बनाया गया है। प्रत्येक हाउस में बच्चों का एक-एक जोड़ा बनाया गया है। जिसमें एक नीचे के वर्ग का तथा एक ऊपर के वर्ग का बच्चा ...मिलित किया गया है। ये बच्चे अपने जोड़े का हाथ पकड़कर स्कूल लाते है और वापस ले जाते है। प्रत्येक हाउस का एक कैप्टन भी है जो अपने हाउस पर नजर रखते है। प्रत्येक हाउस के साथ एक-एक शिक्षिका को भी लगाया गया है।

- एक महीने में बच्चों की उपस्थिति 60 प्रतिशत से बढ़कर 73 प्रतिशत पर पहुंची
- हाउस में बच्चों का जोड़ा बनाया गया, जोड़े में एक से आठ तक के बच्चे शामिल

यह तरीका सरकारी स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने में मिल का पत्थर साबित होगा।

सौरभ कुमार, एचएम, उमवि लगुनियां सूर्यकंठ

यह प्रयास काफी अच्छा है, अन्य स्कूलों में भी इसे लागू कराने के लिए बीईओ को निर्देश दिया गया है।

बीके ओझा, डीईओ, समस्तीपुर।

वर्तमान शिक्षा पद्धति में सुधार की जरूरत

जासं, समस्तीपुर : शहर के काशीपुर में शनिवार को निजी विद्यालय संघ के बैनर तले वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर विचार गोष्ठी हुई। अध्यक्षता संघ के समन्वयक रामाकांत राय ने की। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान शिक्षा पद्धति बेकारो की फौज खड़ी कर रही है। विद्यार्थियों को अपने माता, पिता, गुरु एव अपने से बड़ो के प्रति निज कर्तव्य का भी भान नहीं है। उनके जीवन में उच्च आदर्शों का भी अभाव। समाज के युवा वर्ग का जीवन स्वावलंबी हो इसके लिए वर्तमान् शिक्षा पद्धति में सुधार की जरूरत है। समाज के सभी शिक्षा प्रेमियों को एकजुट होकर शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए अभियान चलाने की जरूरत है। मौके पर राजेश्वर भारती, सुरेश चंद्र राय, अवधेश कुमार, अवनीश कुमार, रविंद्र ठाकुर, लक्ष्मण महतो, विष्णु देव पासवान, मो. सगीर आलम आदि उपस्थित रहे।

16. ईमानदारी की दुकान

बच्चों में नैतिक गुणों के विकास एवं व्यवसायिक लेन देन की समझ पैदा करने की दृष्टि से एक स्टेशनरी कार्नर ''ईमानदारी की दुकान'' के नाम से संचालित है।

17. विद्यालय का अपना बेवसाईट

नमांकन को बढ़ावा देने तथा समुदाय को आकर्षित करने की दृष्टि से umslsk.in के नाम से विद्यालय का बेवसाईट संचालित है, जिसपर विद्यालय की तमाम गतिविधियाँ समय–समय पर प्रसारित होती हैं। इसके अलावे विद्यालय का अपना facebook तथा Twitter page भी है।

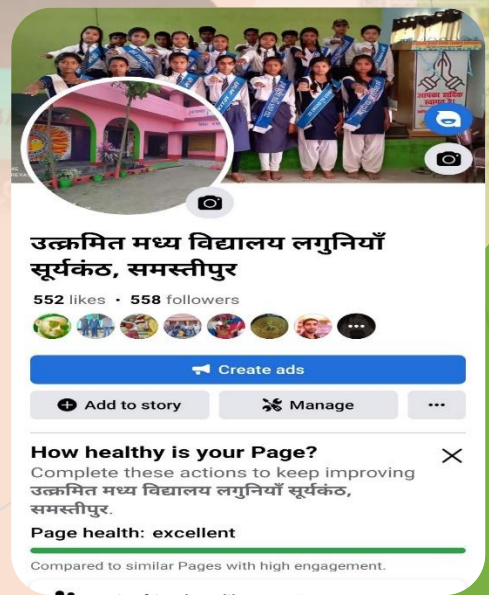

18. विद्यालय की दीवार पत्रिका "हम है लगुनियाँ" का प्रकाशन

विद्यालय के बच्चों के द्वारा हस्तलिखित साप्ताहिक पत्रिका ''हम हैं लगुनियाँ'' का प्रकाशन किया जा रहा है। बच्चों में लेखन एवं रचनात्मक कौशलों के विकास की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण नवाचार है।

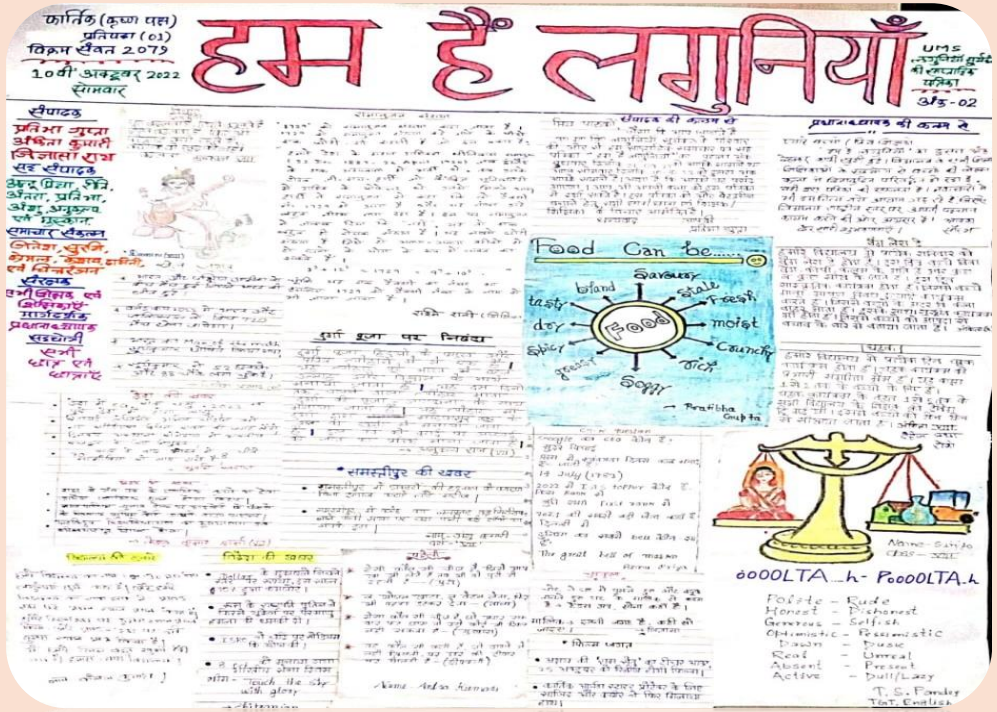

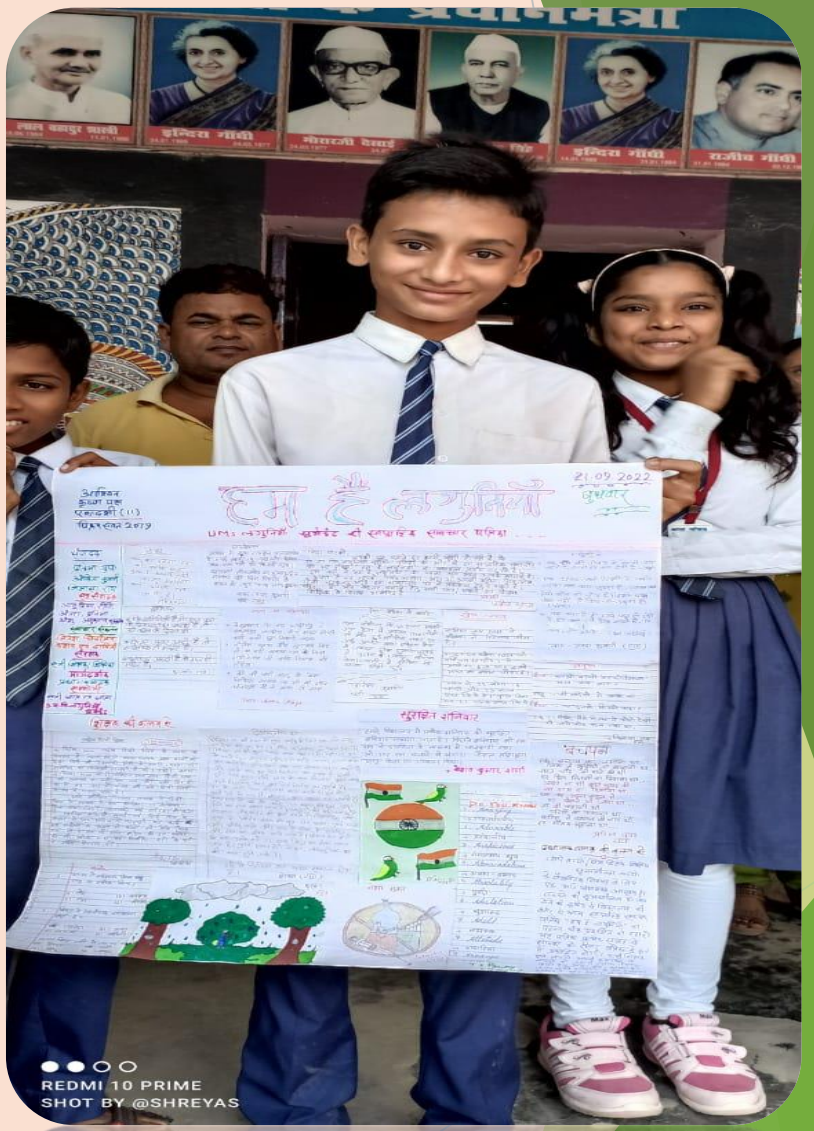

परंपरिक मिथिला चित्रकारी से सजा विद्यालय परिसर

कोरोना काल में मिथिला पेंटिंग से सरकारी विद्यालय को दी नयी पहचान

दो कलाकारों के प्रयास से मिथिला पेंटिंग से सजी उ. म. वि. लगूनिया सूर्यकंठ की दीवार।

विद्यालय के स्टूडेंट्स भी ले रहे प्रशिक्षण।

अलग-अलग थीम पर बनाई आकर्षक कलाकृतियां।

रामबालक राठ

प्रधानाध्यापक ने बताया कि नए वर्ष में विद्यालय खुलने के उपरांत बच्चों के स्वागत की दृष्टि से ही यह एक अनूठा एवं नवाचारी प्रयोग है

कैंपस

मुजफ्फरपुर,
05.09.2

प्रधान के समर्पण की बदौलत स्कूल ने गढ़ा नया आयाम

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

बच्चों के साथ एचएम सौरभ कुमार.

उत्क्रमित मध्य लगुनियां सूर्यकंठ के प्रधानाध्यापक सौरभ कुमार शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोगों एवं अद्भुत नवाचारों के लिए जाने जाते हैं. विद्यालय में उनके उल्लेखनीय प्रयासों की बदौलत उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियां सूर्यकंठ आज राष्ट्रीय पटल पर अपनी पहचान बना चुका है. विद्यालय की सूरत ऐसी बदल चुकी है कि यह विद्यालय अब कई निजी विद्यालयों पर भी भारी है.

विद्यालय के बाल संसद एवं मीना मंच ने छात्र नेतृत्व की ऐसी मिशाल पेश की है, जिसे देखने जिले एवं जिले के बाहर के विद्यालय के बच्चे कई बार भ्रमण पर आ चुके हैं. सबसे खास बात यह रही कि बिहार शिक्षा परियोजना बेगूसराय की टीम ने बकायदा इस विद्यालय का भ्रमण कर यहां की प्रमुख बातों को जिले के शिक्षकों के समक्ष उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया. विगत दो वर्षों से विद्यालय में बैगलेस सैटरडे, जॉयफूल सैटरडे के नाम से एक कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से न केवल बच्चों के बस्ते का बोझ कम होता है. बल्कि, यह आनंददायी शिक्षण की मिशाल भी कायम कर रहा है. इसी से प्रेरित होकर टीचर्स ऑफ बिहार से जुड़े कई विद्यालयों ने भी इस नवाचार को अपनाया है. विद्यालय में स्कूल बैंड के साथ प्रतिदिन आयोजित होने वाला चेतना सत्र गांव के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है. चेतना सत्र के दौरान बच्चों का जन्मदिन मनाया जाना अपने आप में एक अद्भुत नवाचार है. विद्यालय में संचालित ईमानदारी की दुकान और हाउस सिस्टम बच्चों के ठहराव की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है. विद्यालय के छात्र-छात्रा लगातार हर वर्ष कई प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए चुने जा रहे हैं. कोरोना काल में लंबी अवधि तक विद्यालय बच्चों के लिए बंद रहने के बावजूद लॉकडाउन के प्रथम चरण में ही विद्यालय ने स्मार्ट लगुनियां के नाम से अपना शिक्षण एप तैयार किया और इनके नेतृत्व में विद्यालय के सभी शिक्षक बच्चों को घर बैठे ही शिक्षा प्रदान करने लगे.

चारों ओर व्याप्त निराशा की स्थिति में विद्यालय का यह प्रयोग सरकारी विद्यालय के बच्चों के लिए आशा की नयी किरण लेकर आया. निजी विद्यालयों की तरह लगुनियां सूर्यकण्ठ के बच्चे भी घर बैठे ही सीखने सिखाने की प्रक्रिया से जुड़ गए. सरकारी विद्यालय के बच्चों की शिक्षा के लिए तकनीक के इस अभिनव प्रयोग को चारों ओर काफी प्रशंसा मिली. इस कार्य के लिए जिला प्रशासन से पुरस्कार प्राप्त करने के अलावा विद्यालय को वर्ष 2021 का आनंदशाला शिक्षारत्न पुरस्कार भी प्राप्त हुआ. शिक्षा विभाग द्वारा चलाये गए विशेष नामांकन अभियान के दौरान लगभग नब्बे बच्चों ने इस एप के माध्यम से विद्यालय में नामांकन कराया जो किसी भी सरकारी विद्यालय के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है. एचएम सौरभ कुमार बताते हैं कि सरकार का निर्देश है कि तत्काल किसी भी बच्चे को विद्यालय आने के लिए बाध्य नहीं करना है. इस परिस्थिति में विद्यालय नहीं आ पाने वाले बच्चे घर बैठे भी स्मार्ट लगुनियां पोर्टल के माध्यम से अपनी पढ़ाई कर पा रहे हैं. पोर्टल पर दी गयी सुविधाओं का लाभ लेते हुए विद्यालय प्रशासन एप के माध्यम से ही प्रतिदिन छात्रोपस्थिति भी दर्ज कर रहा है. कहा जा सकता है कि प्रधानाध्यापक सौरभ कुमार की दृढ़ इच्छाशक्ति और समर्पण की बदौलत विद्यालय ने कई नये आयाम गढ़े हैं, जो अन्य विद्यालयों के लिए भी अनुकरणीय है.

प्रभात खबर Sun, 05 September 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/62920354

धन्यवाद

इंटरनेशनल हैप्पीनेस डे पर बच्चों की हुई ऑनलाइन मुलाकात, बच्चों में उत्साह

समस्तीपुर और बनारस के छात्र-छात्राओं ने आपस में बांटी खुशियां

आयोजन

समस्तीपुर | नगर संवाददाता

शनिवार को वल्ड हैप्पीनेस डे पर वर्चुअल माध्यम से बनारस के छात्र-छात्राओं से संवाद करते लगुनिया सूर्यकंठ के बच्चे व शिक्षक।

विश्व हैप्पीनेस डे पर शनिवार को समस्तीपुर और बनारस के छात्रों ने एक दूसरे के साथ खुशिशं बांटी। ऑनलाइन हुए इस कार्यक्रम में समस्तीपुर के उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियां सूर्यकंठ और बनारस के प्राथमिक विद्यालय नरउर के छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को लेकर दोनों स्कूलों के बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। इस दौरान दोनों स्कूलों के बच्चों ने खुशी के रंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया।

सरकारी स्कूल डॉट इन नामक संस्था के सहयोग से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल प्राथमिक विद्यालय नरउर प्रधानमंत्री के भ्रमण के कारण देशभर में चर्चित हुआ था। कार्यक्रम में दोनों विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। लगुनियां सूर्यकण्ठ की ओर से आंचल राज, अंशु प्रिया, अदिति, चांदनी, अंकिता, अनुराग दीप, आरोहीमान पांडेय आदि ने अपने प्रदर्शन से खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित करते हुए एचएम सौरभ कुमार ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए खुश रहना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का आनंददायी वातावरण सीखने की संभावनाओं को प्रबल करता है।

सभा को सरकारी स्कूल डॉट इन के संस्थापक अभिषेक रंजन, सिमरत कौर, शोधार्थी ओनम बाधवा, खुशी तनेजा के अलावे नरउर की प्रधानाध्यापिका चंद्रावती ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन त्रिपुरारी शरण पांडेय, संयोजन प्रभारी प्रधानाध्यापक जयप्रकाश पाल ने और तकनीकी सहयोग श्रेयस सिन्हा ने किया।

मौके पर शिक्षक अजय गुप्ता, सत्येंद्र प्रसाद, शिक्षिका पूनम सिन्हा, कुमारी प्रतिभा, संगीता कुमारी, रेखा कुमारी, फरहत परवीन के अलावे इंटरनेट के माध्यम से सैकड़ों बच्चे एवं शिक्षक उपस्थित थे। आयोजन को खूब सराहना मिली।

खुश रहना जरूरी

- सरकारी स्कूल डॉट इन ने देश के दो स्कूलों को मिलवाया
- बच्चों से शिक्षकों ने कहा, स्वस्थ्य रहने के लिए खुश रहना जरूरी